



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)

PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 230] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अप्रैल 27, 1989/वैशाख 7, 1911
No. 230] NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 27, 1989/VAISAKHA 7, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 27 अप्रैल, 1989

सं./124/89—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा. का. नि. 488 (घ) :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और वसक अधिनियम, 1944
(1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपने यह समा-
धान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986

का 5) की अनुसूची के उपशीर्ष सं. 1902.10 के अधीन धार्ये वाले सेवेया (वर्मिसेल्ली) को उक्त उद्यमणीय सम्पूर्ण उत्पाद शुल्क से छूट देती है जो उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट है।

[क्र. सं. 332/23/89-टी.प्रार.पू]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 27th April, 1989

NO. 124/89—CENTRAL EXCISES

G.S.R. 488 (E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts seviyan (vermicelli) falling under sub-heading No. 1902.10 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), from the whole of the duty of excise leviable thereon which is specified in the said Schedule.

[F. No. 332/23/89-T.R.U]

सं. 127/89-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा. का. नि. 488 (घ) :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, धरना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 19/89—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1989 का निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की सारणी में,

- (i) क्रम सं. 1, 2, 3, और 4 को क्रमशः क्रम सं. 2, 3, 4, और 5 के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा ;
- (ii) इस प्रकार पुनः संख्यांकित क्रम सं. 2 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पूर्व निम्नलिखित क्रम सं. और प्रविष्टियाँ अस्तित्वापित की जाएँगी, अर्थात् :—

(1)	(2)	(3)
"1	0901.20	काफ़ी क्षुण्ण, जिसमें थिकोरी किसी भी अनुपात में हो।"

[क्र. सं. 356/61/89-टी.प्रार.पू]

के. डी. धनकर, उप सचिव

NO. 127/89—CENTRAL EXCISES

G.S.R. 489 (E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 9/89—Central Excises, dated the 1st March, 1989, namely:—

In the said notification, in the Table,—

- (i) S. Nos. 1, 2, 3 and 4 shall be re-numbered as S. Nos. 2, 3, 4 and 5 respectively;
- (ii) before S. No. 2 so re-numbered and the entries relating there to, the following S. No. and entries shall be inserted, namely:—

(1)	(2)	(3)
-----	-----	-----

"1	0901.20	Coffee powder containing chicory in any proportion".
----	---------	--

[F. No. 356/61/88-T.R.U]

K. D. MANKAR, Dy. Secy.

